Rashtriya Sahara

30 April, 2018

महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 19% तक कम हुआ बैंक ऋण

नई दिल्ली (एसएनबी)।

गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के भारी बोझ तले दबे बैंकों और कर्ज से जूझ रहे उद्योग जगत द्वारा नए निवेश के प्रति रुझान में कमी से अधिकतर औद्योगिक क्षेत्रों में बैंक ऋण का उठाव नहीं हो पा रहा है।

उद्योग संगठन एसोचैम के अनुसार, चीनी, पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद, पेट्रो केमिकल, सीमेंट, सीमेंट उत्पाद, बेसिक मेटल और धातु उत्पाद क्षेत्र में वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान बैंक ऋण उठाव में दो प्रतिशत से 19 फीसद तक की गिरावट आई है। यहां तक की सामान्य मानसून के कारण बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद वाले खाद्य क्षेत्र में भी वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान 16 फरवरी तक 19.3 फीसद तक की ऋण उपलब्धतता में गिरावट आई है।

इसी अवधि में पेट्रोल केमिकल कंपनियों में ऋण उठाव में 19 फीसद से अधिक की कमी आई है। सड़क, बिजली और दूरसंचार जैसे बुनियादी क्षेत्रों में 1.6 से छह फीसद तक ऋण इस्तेमाल घटा है। एसोचैम के महासचिव डीएस रावत ने कहा, ऋण इस्तेमाल के रिजर्व बैंक के आंकड़े में दोहरी बैलेंस शीट की समस्या उजागर होती है।

Hindustan 30 April, 2018

उद्योगों को पर्याप्त ऋण नहीं मिल रहा

नई दिल्ली। देश के अधिकांश औद्योगिक क्षेत्र ऋण की कमी से जूझ रहे हैं। ऐसा बैंकों पर एनपीए का बढ़ता बोझ और नए निवेश के प्रति रुझान में कमी के कारण हुआ है।

एसोचैम ने कहा, चीनी, पेट्रोलियम, कोयला, पेट्रो केमिकल, सीमेंट, सीमेंट उत्पाद, बेसिक मेटल और धातु उत्पाद क्षेत्र में वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान बैंक लोन में दो प्रतिशत से 19 फीसदी तक की गिरावट आई है। **(एजेंसी)**

Punjab Kesari

30 April, 2018

औद्योगिक क्षेत्रों में ऋण का अभाव

नई दिल्ली, (वार्ता): गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के भारी बोझ तले दबे बैंकों और कर्ज से जूझ रहे उद्योग जगत द्वारा नये निवेश के प्रति रुझान में कमी से अधिकतर औद्योगिक क्षेत्र बैंक ऋण के अभाव से ग्रसित हैं।

उद्योग संगठन एसोचैम के अनुसार, चीनी, पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद, पेट्रो केमिकल, सीमेंट, सीमेंट उत्पाद, बेसिक मेटल और धातु उत्पाद क्षेत्र में वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान बैंक ऋण उठाव में दो प्रतिशत रिणात्मक से 19 फीसदी तक की गिरावट आयी है। यहां तक की सामान्य मानसून के कारण बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद वाले खाद्य क्षेत्र में भी वित्त

ASSOCHAM

- **कॉरपोरेट जगत का सड़क, बिजली और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में फंसा है धन**

वर्ष 2016-17 के दौरान 16 फरवरी तक 19.3 फीसदी तक की रिण उपलब्धतता में गिरावट आयी है। इसी अवधि में पेट्रोल केमिकल कंपनियों में ऋण इस्तेमाल में 19 फीसदी से अधिक की कमी आयी है। सड़क, बिजली और दूरसंचार जैसे बुनियादी क्षेत्रों में 1.6 से छह फीसदी तक रिण इस्तेमाल घटा है।

एसोचैम के महासचिव डी एस रावत ने कहा,' ऋण इस्तेमाल के रिजर्व बैंक के आंकड़े में दोहरे बैलेंस शीट की समस्या उजागर होती है। बैंक एनपीए के बढ़ते बोझ और प्रोवजनिंग की बढ़ती जरूरत से जूझ रहे हैं और कॉरपोरेट जगत का सड़क, बिजली और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में धन फंसा है। हालांकि खनन, ढुलाई, चाय, टेक्सटाइल, रबर, प्लास्टिक और ग्लासवेयर आदि जैसे क्षेत्रों में स्थिति सुधर रही है।'

ASSOCHAM IN THE NEWS

Navodaya Times

30 April, 2018

कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ऋण अभाव : एसोचैम

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसी): गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एन.पी.ए.) के भारी बोझ तले दबे बैंकों और कर्ज से जूझ रहे उद्योग जगत द्वारा नए निवेश के प्रति रुझान में कमी से अधिकतर औद्योगिक क्षेत्र बैंक ऋण के अभाव से ग्रसित हैं।

उद्योग संगठन एसोचैम के अनुसार चीनी, पैट्रोलियम, कोयला उत्पाद, पैट्रो कैमिकल, सीमैंट, सीमैंट उत्पाद, बेसिक मैटल और धातु उत्पाद क्षेत्र में वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान बैंक ऋण उठाव में 2 प्रतिशत ऋणात्मक से 19 प्रतिशत तक की गिरावट आई है।

यहां तक की सामान्य मानसून के कारण बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद वाले खाद्य क्षेत्र में भी वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान 16 फरवरी तक 19.3 प्रतिशत तक की ऋण उपलब्धतता में गिरावट आई है। इसी अवधि में पैट्रोल कैमिकल कंपनियों में ऋण इस्तेमाल में 19 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। सड़क, बिजली और दूरसंचार जैसे बुनियादी क्षेत्रों में 1.6 से 6 प्रतिशत तक ऋण इस्तेमाल घटा है।

Deshbandhu

30 April, 2018

आभाव उद्योग जगत द्वारा नये निवेश के प्रति रुझान में कमी

कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में ऋण अभाव:एसोचैम

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजेंसियां)। गैर निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) के भारी बोझ तले दबे बैंकों और कर्ज से जूझ रहे उद्योग जगत द्वारा नये निवेश के प्रति रुझान में कमी से अधिकतर औद्योगिक क्षेत्र बैंक ऋण के अभाव से ग्रसित हैं। उद्योग संगठन एसोचैम के अनुसार, चीनी,पेट्रोलियम, कोयला उत्पाद, पेट्रो केमिकल, सीमेंट, सीमेंट उत्पाद, बेसिक मेटल और धातु उत्पाद क्षेत्र में वित्त वर्ष 2017-18 के दौरान बैंक ऋण उठाव में दो प्रतिशत ऋणात्मक से 19 फीसदी तक की गिरावट आयी है।

यहां तक की सामान्य मानसून के कारण बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद वाले खाद्य क्षेत्र में भी वित्त वर्ष 2016-17 के दौरान 16 फरवरी तक 19.3 फीसदी तक की रिण उपलब्धतता ,में गिरावट आयी है। इसी अवधि में पेट्रोल केमिकल कंपनियों में रिण इस्तेमाल में 19 फीसदी से अधिक की कमी आयी है। सड़क, बिजली और दूरसंचार जैसे बुनियादी क्षेत्रों में 1.6 से छह फीसदी तक रिण इस्तेमाल घटा है। एसोचैम के महासचिव डी एस रावत ने कहा, रिण इस्तेमाल के रिजर्व बैंक के आंकड़े में दोहरे बैलेंस शीट की समस्या उजागर ऋण होती है। बैंक एनपीए के बढ़ते बोझ और प्रोवजनिंग की बढ़ती जरूरत से

- पेट्रोल केमिकल कंपनियों में रिण इस्तेमाल में 19 फीसदी से अधिक की कमी
- बिजली और दूरसंचार जैसे बुनियादी क्षेत्रों में 1.6 से छह फीसदी तक रिण इस्तेमाल घटा

जूझ रहे हैं और कॉरपोरेट जगत का सड़क, बिजली और दूरसंचार जैसे क्षेत्रों में धन फंसा है। हालांकि खनन, ढुलाई, चाय, टेक्सटाइल, रबर, प्लास्टिक और ग्लासवेयर आदि जैसे क्षेत्रों में स्थिति सुधर रही है।